योग से करें गठिया रोग का इलाज, अर्थराइटिस के लिए योगासन ।

Yoga for Gathiya Arthritis

AYUSH REMEDIES.in

/ayushremediesindia @ayushremediesin @ayushremedies

अर्थराइटिस गठिया रोग के लिए योग, योगासन –

गठिया रोग का दर्द बड़ा ही दर्दनाक और असहनीय देने वाला दर्द होता है, जिसका समय पर इलाज ना किया जाये तो ये दर्द एक तरह से अभिशाप बन जाता है | ये रोग आता है हमारे खान-पान से और बढ़ती हुई उम्र के साथ | जिसके कारण शरीर में यूरिक एसिड जरूरत से ज्यादा हो जाता है और फिर ये जोड़ो में दर्द और सूजन, घुटनो में दर्द, कमर में दर्द आदि शरीर के अंगो पर दर्द होना शुरू हो जाता है | इसका उपचार होना बहुत जरुरी है अन्यथा ये रोग लाइलाज बन कर रह जाता है अगर इलाज समय पर नहीं हुआ तो | पौष्टिक आहार और गठिया में योग ही इस रोग को दूर कर सकते है | व्यावाम का बड़ा महत्व है गठिया के रोग को दूर करने में |

आप अलग-अलग योग कर गठिया के रोग में होने वाली पीड़ा जैसे जोड़ो के दर्द, कमर दर्द, घुटनो के दर्द को कम कर सकते है | गठिया के लिए योग करना बहुत ही जरुरी होता है इसमें रोगी घुटनो का मोड़ना, चलने -फिरने में असमर्थ होना, थकान बहुत जल्दी होना, इस रोग को दूर करने क लिए गठिया में योग करना फायदेमंद रहता है | सिर्फ अच्छा खान-पान हमे सेहतमंद बनाता है और योगा हमे तंदरुस्त बनाता है | आयुर्वेद में योग से गठिया का इलाज संभव बताया गया है अगर रोगी मेहनत और परिश्रम करे तो |

गठिया और योग दोनों शरीर से जुड़े हुए ऐसे शब्द है जिसमे एक से पीड़ा और दूसरे से मुक्ति मिलती है | बिना योग के कोई भी रोगी गठिया रोग से नहीं लड़ सकता | योग के साथ-साथ कुछ सेहतमंद आहार और आयुर्वेद की खुराक भी अपना असर जल्द दिखाती है गठिया के रोग को दूर करने में |

गठिया रोग में आयुर्वेद की खुराक ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल जो बनी है पूरी तरह प्राकर्तिक जड़ी बूटियों से | प्राकर्तिक जड़ी बूटियों से बने हुए के कारण ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल उन दर्दो पर अपना काम बखूभी करती है जहाँ दूसरी दवाओं का कोई असर नहीं होता |

ओर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑर्थोंक्सिल प्लस की सामग्री –

केसर, हल्दी, अस्थिसंहार, रसना, चोपचीनी, अश्वगंधा, सुरंजन, गुग्गुल, रामयफल, एलोवेरा, नागाभस्म, रीगनी, गोदन्ती हरताल भस्म, स्वरण बंग भस्म, अरंड, निर्गुन्डी, नागकेसर, पीपलामूल, अकरकरा, लॉन्ग ऑयल, बुलेलु ऑयल, गंधपत्री ऑयल, अरंड ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, तारपीन ऑयल, गन्धपूर्ण ऑयल, कपूर ऑयल और जायफल ऑयल | जड़ी बूटिया का उपयोग होने से यह उत्पाद पूरी तरह से सुरक्षित है और इसे लेने से कोई भी हानि या क्षति नहीं पहुँचती है |

भारत में ओथॉक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑथॉक्सिल प्लस ऑयल कैसे खरीदें?

आप भारत में प्रतिष्ठित ऑनलाइन हर्बल स्टोर जैसे आयुष रेमेडीज डॉट इन से ऑथॉक्सिल प्लस कैप्सूल और ओथॉक्सिल प्लस ऑयल खरीद सकते हैं और वह भी भारतीय रुपयों में । इन हर्बल उपचारों को आप घर बैठे मंगवा सकते है | भारत में ऑथॉक्सिल प्लस कैप्सूल और ओथॉक्सिल प्लस ऑयल खरीदने के लिए ऑनलाइन भुगतान और साथ ही सीओडी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑथॉक्सिल प्लस कैप्सूल्स विचारशील पैकेजिंग में उपलब्ध है | भारतीय ग्राहक इस हर्बल पूरक को 3 से 5 व्यावसायिक दिनों में सीधे अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सील प्लस कैप्सूल और ऑयल –

गठिया रोग के आयुर्वेदिक उपचार की अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट AyushRemedies.in पर जाये |